RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

किसी भी चीज का उदाहरण देना बहुत सरल है, लेकिन किसी के लिए उदाहरण बनना बहुत ही मुश्किल है।

बीके शिवानी

वर्ष-04, अंक - 38 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 23 जून 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

भारतीय जनता पार्टी द्वारा अधिकृत वार्ड क्र. 09 से

सबका साथ
सबका प्रयास
सबका विश्वास
सबका विकास

जिला पंचायत सदस्य

पद हेतु मिलनसार, ईमानदार, सेवाभावी, कर्मठ, शिक्षित, योग्य एवं युवा प्रत्याशी

श्रीमती रेखा बारिया को

चुनाव चिन्ह

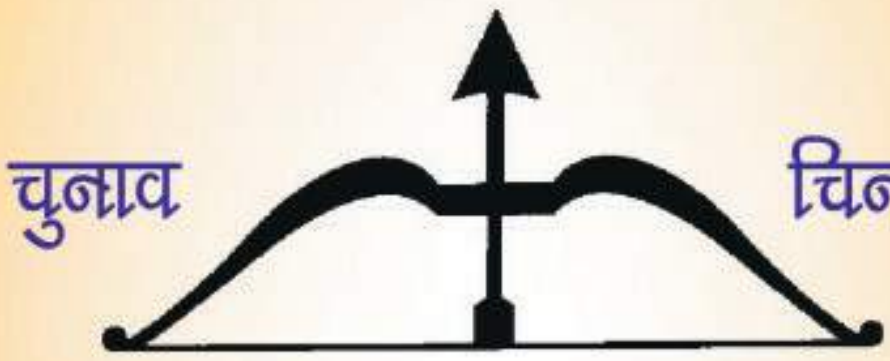

तीर कमान

कमांक 1 पर मोहर लगाकर भारी से भारी मतों से विजय बनावें

नकली मत पत्र

1	रेखा बारिया	
2		
3		
4		
5		
6		

श्रीमती रेखा बारिया

निवेदक :- रेखा बारिया भाजपा जिताओ समिति, जिला पंचायत वार्ड क्रं.09

आपका विश्वास
मेरा प्रयास

ग्राम पंचायत खवासा

मिलकर करेंगे
पंचायत का विकास

के समग्र विकास के लिए सरपंच पद हेतु

सेवाभावी, कर्मठ, शिक्षित, योग्य उम्मीदवार

अगर मजबूती के साथ चाहते है ग्राम का विकास तो

श्रीमती मुन्नीबाई
रमेशचंद्र बारिया

को चुनाव चिन्ह

चश्मा

क्रमांक 1 पर मोहर लगाकर भारी
से भरी मतों से विजय बनावें।

निवेदक :- मुन्नीबाई रमेशचंद्र बारिया जिताओ समिति, ग्राम खवासा

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

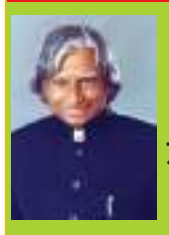

सोच ही पूंजी है, उद्यम ही रास्ता है, कड़ी मेहनत ही समाधान है।

एपीजे अब्दुल कलाम

देशभक्ति के गीतों के साथ अपना प्रचार, मुख्य मुद्दा गायब

माही की गूंज, खवासा।

गांव की हर गली, मोहल्ले में देशभक्ति के पैरोडी गीतों के साथ सरपंच, जिला पंचायत और जनपद सदस्यों का प्रचार हो रहा है। थांदला विधानसभा की सबसे बड़ी पंचायत में सरपंच पद के लिए चार महिलाएं मैदान में ताल ठोक रही है और चारों ही प्रत्याशी द्वारा जोर-शोर के साथ प्रचार किया जा रहा है। लेकिन खवासा का मुख्य मुद्दा पेयजल संकट का गायक नजर आ रहा है। बारहमासी जल संकट यहां गर्मी में विकराल रूप धारण कर लेता है तथा 15 से 20 दिन में बमुश्किल एक बार जल वितरण हो पाता है। बावजूद इसके कोई भी प्रत्याशी इस संकट का ठोस समाधान आम जनता के सामने नहीं रख पाया है। चुनावी शोर के बीच आम जनता की केवल एक ही मांग है कि, यहां जल संकट की समस्या का स्थाई समाधान होना चाहिए। बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाई गई ,लेकिन कोई भी योजना मुर्त रूप नहीं ले पाई और समस्या न केवल जस की तस है बल्कि बढ़ती जा रही है। कई लोगों का कहना है कि, लोकसभा और विधानसभा के जैसे ही इन स्थानीय चुनाव में भी नोटा का विकल्प दिया जाना चाहिए। ताकि आम जनता अपनी नाराजगी का इजहार कर सके।

वर्तमान सरपंच रमेश बारिया की पत्नी मुन्नीबाई बारिया के साथ ही पूर्व सरपंच रह चुकी जैनीबाई भूरिया और गंगाबाई खराड़ी तथा शकुंतला वसुनिया में से कोई एक खवासा का अगला सरपंच बनेगा। लेकिन वर्तमान में चारों ही प्रत्याशी द्वारा जोर-शोर के साथ प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं। प्रत्याशी जितना ज्यादा प्रचार कर रहे हैं, आम जनता उतनी ही खामोश नजर आ रही है, किसी भी प्रत्याशी के पक्ष में कोई विशेष लहर नहीं चल रही। आम जनता खामोशी के साथ चारों प्रत्याशी का आकलन कर रही है और किसके पक्ष में अपना फैसला सुनाती है, यह तो 25 तारीख को ही पता चल सकेगा। लेकिन युवा मतदाता नए चेहरे की और अपना रूख कर रहै है।

ठीक इसी प्रकार जनपद क्षेत्र क्रमांक 15 के लिए त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है। यहां पुराने खिलाड़ी प्रेमसिंह चैधरी की पत्नी के मुकाबले में युवा आरती हेमेन्द्रसिंह पालरा के साथ माया जितेंद्र सिंह नकुम मुकाबले को रोचक बना रहे है। अब देखना है कि, प्रेमसिंह चैधरी का अनुभव या फिर युवा जोश आरती हेमेन्द्रसिंह या माया जितेंद्र सिंह नकुम बाजी मारती है। इस चुनाव में भी प्रत्याशी केवल अपना प्रचार कर रहे, अन्य प्रत्याशी का समर्थन या विरोध करने से बच रहे हैं। उन्हें डर है कि, अन्य प्रत्याशी का समर्थन या विरोध उन्हें भारी पड़ सकता है।

चुनाव पंचायत के, लेकिन निगाहे 2023 पर

हो जाओ तैयार... साथियों हो जाओ तैयार...

माही की गूंज, झाबुआ।

भले ही चुनाव त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के लिए हो रहे हैं। लेकिन दोनों ही प्रमुख दल कांग्रेस और भाजपा की नजरे 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी है। लेकिन खास बात यह है कि, 2023 में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले संभावित प्रत्याशी फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। यानी वे चाहते हैं कि, उनके समर्थक जनपद, जिला पंचायत और सरपंच के चुनाव जीते, लेकिन वे किसी अन्य को नाराज भी नहीं करना चाहते हैं। यानी वे पर्दे के पीछे रहकर ही चुनावी मैनेजमेंट कर रहे हैं। यही नहीं जिला पंचायत के चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थी जनपद और सरपंच के प्रत्याशी से दूरी बनाकर चल रहे हैं। तो जनपद के प्रत्याशी जिला और सरपंच से तथा सरपंच प्रत्याशी जिला पंचायत और जनपद सदस्य के प्रत्याशी से दूरी बनाकर चल रहे हैं। कोई प्रत्याशी नहीं चाहता कि, अन्य पद पर लड़ने वाले प्रत्याशी से दूरी बनाकर चले। यानी समर्थन तो सभी को चाहिए लेकिन खुलकर सामने कोई नहीं आना चाहता है।

किस पार्टी का बनेगा जिला पंचायत अध्यक्ष...

जिले की सबसे बड़ी और शक्तिशाली संस्था जिलापंचायत पर भाजपा अभी अपना खाता नहीं खोल पाई है। हर बार कोशिश की गई, लेकिन कांग्रेस की कद्दावर नेत्री स्वः कलावती भूरिया के आगे दाल नहीं गली। हर बार ऐड़ी चोटी का जोर लगाया गया, यहां तक कि, पूर्व मंत्री और विधायक निर्मला भूरिया ने भी जिला पंचायत के लिए अपना भाग्य आजमाया लेकिन महज सदस्य बनकर ही संतोष करना पड़ा। इस बार कांग्रेस की और से मुख्य रणनीतिकार कलावती भूरिया की गैर मौजूदगी में कई वार्डों में 1 से ज्यादा कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में है, जिससे कांग्रेस के वोटों का बंटवारा हो सकता है। किंतु भाजपा की स्थिति भी कुछ ऐसी ही, उनके भी कई वार्डों में 1 से ज्यादा उम्मीद्वार मैदान में हैं। इसलिए इस चुनाव में पार्टी से ज्यादा व्यक्तिगत प्रभाव असरदार साबित हो रहा है। अब यह तो चुनाव परिणाम पर निर्भर करेगा कि, इस चुनाव में जनता पार्टी के अधिकृत उम्मीद्वारों को पसंद करेगी या व्यक्तिगत प्रभाव वाले व्यक्तियों को चुनती है और उसी के आधार पर जिला पंचायत के अध्यक्ष का पद निर्भर रहेगा।

वार्ड क्रमांक एक से गीता अमर चैहान भाजपा से तथा गीता शंकरसिंह भूरिया कांग्रेस की और से अधिकृत प्रत्याशी है तथा 4 अन्य उम्मीद्वार भी जोर-शोर से अपना पक्ष जनता के सामने रख रहे हैं। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 2 से भाजपा के बहादुर हटीला के मुकाबले कांग्रेस से नीता हेमचंद्र डामोर के साथ ही 5 अन्य दावेदार भी है। वार्ड क्रमांक 3 से त्रिकोणीय मुकाबला है, वहीं वार्ड क्रमांक 4 से 7 प्रत्याशी मैदान में है। वार्ड क्रमांक 5 से 5, वार्ड क्रमांक 6 से 8, वार्ड क्रमांक 7 से 5 प्रत्याशी, वार्ड क्रमांक 8 से 5 प्रत्याशी, वार्ड क्रमांक 9 से 6 प्रत्याशी, वार्ड क्रमांक 10 में भी त्रिकोणीय मुकाबला है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 11 से 8, वार्ड क्रमांक 12 से 3, वार्ड क्रमांक 13 से 5 तथा वार्ड क्रमांक 14 से कुल 7 प्रत्याशी मैदान में है। इस प्रकार 14 वार्डों के लिए कुल 78 प्रत्याशी ताल ठोक रहे है। लेकिन विजय तो केवल 14 प्रत्याशी ही होंगे और उसके बाद ही जिला पंचायत अध्यक्ष की तस्वीर साफ होगी और जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ ही आने वाले विधानसभा चुनाव 2023 का लिटमस टेस्ट भी इसे माना जाएगा।

वार्ड क्रमांक 9 से कौन....?

कहते हैं कि, थांदला विधायक के पद का रास्ता खवासा क्षेत्र से होकर गुजरता है। यानी जो दल खवासा क्षेत्र में बढ़त प्राप्त करता है, उसी दल का विधायक थांदला का विधायक बनता है। खवासा क्षेत्र जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 9 में आता है, इसलिए इस वार्ड पर विशेष निगाह दोनों ही दलों की है। दोनों ही दल के साथ अन्य 6 प्रत्याशी भी अपना भाग्य आजमा रहे है। यही नहीं क्षेत्रीय सांसद गुमानसिंह डामोर ने तो अपने चुनावी संपर्क में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी रेखा बारिया को जिला पंचायत अध्यक्ष तक बनाने का वादा मतदाताओं से कर दिया है। यहां रेखा बारिया के साथ ही संघ से जुड़े राजु गरवाल की पत्नी रमीला गरवाल भी जोर-शोर से चुनावी ताल ठोक रही है। वहीं कांग्रेस से भी अधिकृत प्रत्याशी निरमा बापु कटारा (थांदला जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष नाथू कटारा की बहू) के साथ ही पूर्व जिला पंचायत सदस्य कलावती मंगल सिंह कटारा भी ताल ठोक रही है जो कि, कांग्रेस से ही जुड़ी है। इसके अलावा भावना पति संजय निनामा और जयस की और से रेखा निनामा भी पूरे जोर-शोर के साथ न केवल प्रचार कर रहे हैं, बल्कि अपनी जीत का दावा भी ठोक रहे हे। पूरे क्षेत्र में गानों की पैरोडी के साथ वोट की अपील की जा रही है, साथ ही व्यक्तिगत संपर्क भी किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत खवासा के सरपंच पद हेतु

अनुभवी, सेवाभावी, योग्य, कर्मठ महिला उम्मीदवार

शकुंतला चंदुसिंह वसुनिया

को चुनाव चिन्ह

हेण्ड पम्प

पर मोहर लगाकर भारी मतों से विजयी बनावें।

आपका विश्वास

मेरा प्रयास

हम सब मिलकर करेंगे पंचायत का विकास

:: प्राथमिकताएं ::

1- गांव व सभी वार्ड एवं चौराहों पर स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था।
2- मुक्तिधाम का नव निर्माण कराना।
3- गांव में ही अच्छे, योग्य चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा व्यवस्था मुहैया करवाना।
4- आकस्मिक दुर्घटना में मृत्यु होने पर हितग्राही को तुरंत शासन द्वारा सहायता राशि दिलवाना।
5- शिक्षित बेरोजगारों को बैंक के माध्यम से लोन दिलाकर रोजगार उपलब्ध करवाना।
6- प्रतिवर्ष गांव के बुजुर्गों का सम्मान।
7- हर व्यक्ति के लिये नुसीबत में वाहन सुविधा उपलब्ध करवाना
8- पंचायत के सभी घरों में नल-जल का लाभ दिलाना।
9- विधवा पेंशन एवं वृद्धा पेंशन समय पर दिलवाना।
10- गांव में ही लघु उद्योग खुलवाना जिससे गरीबों को रोजगार मिल सके।
11- बाहर मजदूरी करने वालों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध करवाना।
12- ग्राम में धर्मशाला नव निर्माण कराना है।
13- हर मोहल्ले में पक्की सड़कें एवं पक्की नालियों का निर्माण करवाना है।
14- 10वीं, 12वीं के लिए निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था कराना।
15- रोग्यादेवी मंदिर से शंकर मंदिर होते हुए थांदला रोड तक बायपास रोड का निर्माण करना।
16- यदि आप चाहते है कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले, तो हेण्ड पंप पर मोहर जरूर लगावें।

निवेदक :- शकुंतला चंदुसिंह वसुनिया जिताओ समिति, खवासा

मतदान दिनांक 25 जून 2022
प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक

फाइलों में छटपटाया शिक्षा का अधिकार, कबाड़ बीन रहा बचपन, बच्चों की शिक्षा को लेकर विभाग मौन

कबाड़, कचरा इकट्ठा कर गृहस्थी चला रहे हैं, गरीबी से जूझ रहे बच्चे, शिक्षा का आभाव'

माही की गूंज ,अलीराजपुर। इरशाद मंसुरी

शिक्षा का अधिकार कानून सिर्फ फाइलों में छटपटा रहा है। बच्चे कबाड़ में भविष्य खोज रहे हैं। बच्चों के उत्पीड़न, उपेक्षा, हिंसा और शोषण की घटनाएं बढ़ती जा रही है। संरक्षण के अभाव में तमाम गरीब परिवारों के बच्चों का बचपन पढ़ाई-लिखाई के बजाय कूड़े के ढेर पर भविष्य तलाशने में गुजर रहा है। 14 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा पर प्रत्येक वर्ष करोड़ो रुपये खर्च किए जा रहे हैं। बच्चों को यूनिफार्म, दोपहरिया भोजन के साथ मुफ्त पढ़ाई की व्यवस्था है। गरीब बच्चों के लिये शिक्षा का अधिकार कानून है। कान्वेंट स्कूलों में भी गरीब बच्चों को 25 फीसद सीट सुरक्षित है। फिर भी गरीब बच्चे इधर-उधर कबाड़ इकट्ठा करते दिख जाएंगे। जिम्मेदार महकमा भी ड्राप आउट बच्चों का आंकड़ा इकट्ठा करने में रुची नहीं बता रहा है।

बाल संरक्षण समिति अपने क्षेत्रों में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने वाले दायित्वबद्ध व्यक्तियों का एक समूह होता है। इसके माध्यम से बच्चों को शारीरिक, भावनात्मक व मानसिक नुकसान से बचाया जाता है। महिला एवं बाल विकास की ओर से जिलाधिकारी को ग्राम पंचायतों एवं ब्लाकों में बाल संरक्षण समितियों का गठन करने को कहा गया था। अभी तक जिले में बाल संरक्षण समितियों का गठन नहीं किया गया है।

श्रम अधिकारी को शासन के निर्देश पर विशेष बाल श्रम चिन्हांकन अभियान चलाना चाहिए ताकी दुकानों एवं अन्य प्रतिष्ठानों आदि स्थानों पर काम करने वाले बच्चों को चिन्हित किया जा सके साथ ही दुकानदारों और उनके अभिभावकों को चेतावनी दी जाना चाहिऐ साथ ही पास के स्कूल में दाखिला कराना चाहिए इसके बाद भी यदि दुकानदार नहीं माने तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर थ्र् दर्ज करानी चाहिए

'क्या है कानुन'

संविधान के अनुच्छेद 24 में भारत में किसी भी तरह की बाल मजदूरी पर रोक लगाने का प्रावधान है। इसके साथ ही संविधान ने हमें शिक्षा में अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में शामिल किया गया है। जिसके तहत देश के 6 से लेकर 14 वर्ष की आयु के हर बच्चे को शिक्षा देना अनिवार्य है। बाल श्रम अधिनियम 1986 के अंतर्गत अगर कोई व्यक्ति अपने व्यवसाय के उद्देश्य से 14 बर्ष से कम आयु के बच्चे से कार्य कराता है, तो उस व्यक्ति को 2 साल की सज़ा और 50 रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

'बाल मजदुरी जिले के लिए अभिश्राप, बाल मजदुरी रोकने में श्रम विभाग नाकाम'

अलीराजपुर जिले में बाल मजदूरी चरम पर अधिकारो यो की लापरवाही से अलीराजपुर जिले मे बाल मजदूरी आम बात हो चुकी है नही अफ़सर इस ओर ध्यान दें रहे हैं ना ही कोई कार्यवाही करते हे ना ही जिला प्रशासन के श्रम विभाग की ओर से कोई कार्यवाही होती है बस कागजों पर योजनाएं बनती है और खत्म हो जाती है जमीनी स्तर पर जिरो है इससे बच्चो का भविष्य खराब हो रहा हे वही शासन के द्वारा चलाई जा रही स्कुल चले हम अभियान का करोड़ो रुपये खराब हो रहा है साथ ही देश का भविष्य अंधकार में डुब रहा है।

शासन की और से जितनी भी योजना लाघु होती है बस कागजों तक ही सिमट कर रह जाती है आज भी सेकडो ढाबों पर कंस्ट्रक्शन साइट , इट भट्टो पर बाल मजदूरी करते सेकडो बच्चे नजर आएंगे

'किसने क्या कहा'

हमें सुचना मिलती है तो हमारे द्वारा रेस्क्यू कर के बच्चों का पकड़कर लाया जाता है उसपर या जिम्मेदार ठेकेदार या बाल मजदूरी कराने वालों पर कार्यवाही करने का अधिकार श्रम विभाग को रहता है।

जिला मुख्यालय के पत्रकारों के बीच फूट-फुटव्वल का नतीजा एक सप्ताह में दो संगठनों का गठन

सरफिरे अपना उल्लू सीधा करने के लिए कर रहे पत्रकारों की जमात में घुसपैठ

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। हमने बचपन से लेकर आज तक ''अनेकता में एकता'' की कई कहानियां सुनी है। ''अनेकता में एकता'' के कई सारांश और महत्व को समझा भी है। लेकिन आज के इस दौर में ''अनेकता में एकता'' की कहानियां गौण नजर आ रही है। क्योंकि हमारे समाज ने ''अनेकता में एकता'' की बजाय अपने आपको अपने हिसाब से अगल-अलग तरीके में मौड़ लिया है। इसका नतीजा यह हुआ कि, ''अनेकता में एकता'' के इस भाव से एकता लगभग समाप्त सी हो चुकी है। कुछ ऐसा ही हाल इन दिनों जिला मुख्यालय के पत्रकारों के बीच भी है। समाज को आईना दिखाने वाले पत्रकार बिरादरी भी अब अनेकता का शिकार हो चली है। इसी का सीधा कारण यह देखने को मिल रहा है कि, वरिष्ठ पत्रकारों ने अपनी वरिष्ठा को गौण करते हुए अभिमान की लड़ाई लडऩा शुरू कर दी और अपनी ही बिरादरी के छोटे व मझले पत्रकारों को अपने से अलग-थलग कर दिया। इस जिले ने वह भी दौर देखा है जब वरिष्ठ पत्रकार इतने सम्माननिय हुआ करते थे कि, वे जिधर अपना रूख कर देते पूरा का पूरा पत्रकार समाज उनके पीछे हो जाया करता था। उन वरिष्ठों के आगे-पीछे चैबीसों घंटे पत्रकारों की भीड़ जमा रहती थी। यह भीड़ हमेशा अपने वरिष्ठों से कुछ न कुछ सीखने के लिए लालायित रहती थी और उन वरिष्ठों का स्वाभाव भी ऐसा होता था कि, वे अपने कनिष्ठ पत्रकारों को कोई जानकारी उपलब्ध कराने, सीखाने या मदद करने से कभी पीछे नहीं हटते थे। स्व. कन्हैयालाल जी वैद्य, स्व. यशवंत जी घोड़ावत, स्व. कुंदन अरोड़ा (काका)...... ऐसे वरिष्ठों के नामों की एक लंबी फहरिस्त है। भले ही ये वरिष्ठ आज हमारे साथ नहीं है, लेकिन इनकी दी हुई सीख और शिक्षा आज भी कई पत्रकारों को सच्ची पत्रकारिता के लिए प्रेरित करती है।

इसके विपरीत वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में जो लोग अपने आपको वरिष्ठ कहते या कहलवाते है, उनकी जमीनी हकीकत पूर्व में रहे वरिष्ठों से काफी अलग है। जिले में आज के वरिष्ठ पत्रकार सिर्फ अपनी स्वार्थ सिद्धी में अटके पड़े है। इन्हे जिले के छोटे और मझले पत्रकारों से कोई लेना-देना नहीं है। ना ही सामाजिक मुद्दों को उठाने में इनकी कोई खास रूची है। अधिकारियों से तालमेल बैठाकर चलना इनकी रीति-नीति में शामिल है। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कलम चलाना जैसे इन्हे आता ही नहीं। माफियाओं से या तो इनकी सेटिंग है या माफियाओं के खिलाफ लिखने में इन्हे डर लगता है। ये लोग अगर कुछ करना जानते है तो वह है खोखली खबरों से अपने चैनल की टीआरपी बढ़ाना या फोलोवर्स बढ़ाना। इन वरिष्ठों में कैमरों के चोचले ऐसे हो गए है कि, किसी भी मंदबुद्धि या अल्पशिक्षित व्यक्ति को कैमरे के सामने लाकर कुछ तो भी बकवास बाजी करना और अपने व्हीवर्स के सामने एक कॉमेडी शो बनाकर उस मंदबुद्धि या अल्पशिक्षित व्यक्ति की हंसी उड़वाना। जिले के ऐसे वरिष्ठों की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि, पत्रकारिता के क्षेत्र में इनसे क्या सीखा जा सकता है। इन वरिष्ठों में जो लोग कलम चलाना जानते है वे भी गुलाम पत्रकारिता करते हुए इनते कमजोर हो चले है कि, किसी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए अपने अखबार या प्रेस के वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बगैर नहीं छाप सकते है। हालांकि ऐसे कलमकारों से गुलामी करवाने के लिए संभाग स्तरीय कार्यालयों से पहले ही इनके लिए योजना तैयार रहती कि, आज आपको किस तरह की पत्रकारिता करना है। अब ऐसे वरिष्ठों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कुछ उम्मीद् करना तो बेमानी ही होगी।

पिछले दिनों ऐसे ही कुछ वरिष्ठों ने मिलकर एक संगठन बनाया। इस संगठन में वरिष्ठ खुद ही पद पर बैठे और अपने ही कुछ दुमछल्ले पत्रकारों को इस संगठन में शामिल किया। संगठन को एक नया नाम दिया गया और जिला मुख्यालय के दूसरे पत्रकारों को इस संगठन से दरकिनार रखा गया। और शर्त यह रखी गई कि, जो लोग लगातार सक्रियता के साथ पत्रकारिता कर रहे है वे इस संगठन में शामिल होंगे। यह इस बात का प्रमाण है कि, वरिष्ठों की नेतृत्व क्षमता कितनी संकिर्ण है। होना तो यह चाहिए था कि, वरिष्ठ होने के नाते जिला मुख्यालय के उन पत्रकारों को जागृत किया जाता जिन्होने किसी कारणवश अपनी कलम को रोक दिया या धीमा कर दिया। ऐसे लोगों को संगठन में शामिल करके पत्रकारों में एक नई ऊर्जा भरी जा सकती थी। मगर इन वरिष्ठों की पद लालूपत्ता ने जिला मुख्यालय के पत्रकारों में दो फाड़ कर दी। वरिष्ठों के इस अहम से नाराज होकर किसी एक सरफिरे, नौसिखिये पत्रकार ने एक और पत्रकार संगठन की घोषणा बचे हुए पत्रकारों को झासे में लेकर करवा दी। यहां भी हालात वही ''ढाक के तीन पात'' रहे। बैठक के नाम पर पत्रकारों को इकट्ठा कर पत्रकार महासंघ का पूर्व नियोजित योजना के तहत गठन कर दिया गया। इस पत्रकार महासंघ में भी ऐसे लोग पद पर बैठे जो मीडिया क्लब के वरिष्ठों को यह दिखाना भर चाहते थे कि ''तुम शेर हो तो हम सवा शेर है'' हालांकि पत्रकार महासंघ के पदाधिकारियों की बात करें तो जिन लोगों को पद दिए गए है उनका कोई वजूद नहीं है। अध्यक्ष पद पर बैठे सख्स की पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कम उम्र है। पैशे से व्यापारी है और व्यापारी संगठन में पदाधिकारी भी है। कैमरे के सामने बोलना अलग बात है लेकिन अनुभव के नाम पर इनके पास कुछ भी नहीं। इस सरफिरे, नौसिखिये ने मीडिया क्बल में जगह न मिलने से झूझलाए बचे हुए वरिष्ठों को बाटल में उतारकर इस संगठन का संरक्षक बना लिया। जबकि उन पत्रकारों की अभी इतनी उम्र तो नही है कि, उन्हे संरक्षक बनना पड़े। इस संगठन में जो लोग संरक्षक है उन्हे आगे आना चाहिए था संगठन की मुख्य कार्यकारिणी में जगह लेना चाहिए थी। मगर अफसोस की यह लोग नौसिखियों की बाटल में उतर गए। इस संगठन के सचिव की हालात तो ऐसे है कि, कुछ महीनों पहले स्मार्ट फोन की बदोलत पत्रकारीता में कूद पड़े। जहां-तहां से फेसबुक लाइव शुरू कर देता और घंटे-घंटे भर लाइव ही रहता। लंबे-लंबे विजुअल और रटी-रटाई लाइनों पर ऐसा प्रतीत होता जैसे बंदर के हाथ में उसतरा लग गया हो। जबकि अनुभव का पिटारा पूरी तरह से खाली पड़ा है। इसके पहले पत्रकार महासंघ का सचिव बना यह सख्स ब्रोकर (दलाल) हुआ करता था। कुल मिलाकर बात इतनी सी है कि, जिला मुख्यालय के पत्रकारों की फूट-फुटव्वल का ग्रामीण पत्रकार और आमजनता मजा ले रही है। अधिकारी इस फूट-फुटव्वल को देखकर फूले नही समा रहे है। वरिष्ठों के अहम और अदूरदृष्टि ने उन्हे हंसी का पात्र बना दिया, तो सरफिरे भी अपने आपको वरिष्ठ पत्रकारों की गिनती में लाने को लेकर हास्यासपद स्थिति में पहुंच चुके है। हालांकि यह प्रकृति का नियम है कि वरिष्ठों की उम्र ज्यादा नहीं होती। कहीं ऐसा ना हो कि संगठन बनाने का यह खेल मजाक बन जाए और जिला मुख्यालय पर कुकुरमत्तों की तरह पत्रकारों के संगठन पैदा हो जाए। क्योंकि स्थिति तो ऐसी बनती नजर आ रही है। कल उठकर फिर कोई सरफिरा पत्रकार एक नए संगठन की घोषणा कर दे तो कोई आश्चर्य की बात नहीं...?

जिला मुख्यालय के वरिष्ठ और कनिष्ठ पत्रकारों को शायद इस बात का अंदाजा होगा ही कि, ''बंद मुठी लाख की और खुल गई तो खाक की''। इसलिए स्थिति को समझते हुए और संगठनों में ना बंटते हुए शुद्ध पत्रकारों को जिले में एक पटल पर आ जाना चाहिए। वरना अहम की इस लड़ाई से नुकसान सबका होगा। अनुभवहीन और अपना उल्लू सीधा करने वाले सरफिरे पत्रकार बनकर इस जमात में घुसपैठ करते ही रहेंगे और इसका खामियाजा पत्रकारों की उस जमात को भुगतना पड़ेगा जो वाकई में अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा रखती है और समाज में होने वाली अच्छाईयों और बुराईयों को आईने की तरह समाज के सामने रखती है और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ हमेशा अपनी कलम को मुखर रखती है।

"चाहतें है परिवर्तन, तो कीजिए समर्थन"

ग्राम पंचायत बामनिया से सरपंच पद हेतु

योग्य, मिलनसार, ईमानदार, शिक्षित, कर्तव्यनिष्ठ उम्मीदवार

जोशनी-राजु पवार को चुनाव चिन्ह

चुनाव

चिन्ह

कांच का गिलास

25 जून (शनिवार) को मोहर लगाकर भारी मतों से विजयी बनावें।

पूछता है बामनिया..., ...जवाब मांगता है बामनिया...., पिछले 7 वर्षो का हिसाब मांगता है बामनिया

1. ढाई करोड़ की स्वच्छ जल परियोजना को पुरी तरह से धुमिल करने वालों से हिसाब मांगता है बामनिया।
2. उच्च शिक्षित महिला होने के बाद भी पंचायत भवन में शौचालय नहीं बनवाये जाने का कारण पूछता है बामनिया।
3. प्रधानमंत्री के द्वारा हर घर में शौचालय बनवाने के बावजूद पंचायत भवन को शौचालय से वंचित होने का कारण पूछता है बामनिया।
4. जो महिला पिछले 7 सालों में पंचायत भवन में शौचालय तक नहीं बनवा पाई वो गांव में विकास के दावे की बात किस आधार पर कर रही है..?
5. पूछ रहा है चौकीदार फलिया कि, मेरा विकास क्यों नहीं हुआ..? ये फलिया सड़क, बिजली व पानी से वंचित क्यों है..?
6. पूछ रही है गांव की जनता प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ असल हितग्राहीयो को क्यों नहीं मिला..?
7. क्या कारण है कि, गांव का एकमात्र बदबूदार शौचालय बीच मार्केट में होकर उसकी ठीक से सफाई नहीं हो पाती है।
8. भाईयो-बहनों फिर अपना पावन पर्व आया है सरपंच से हिसाब मांगने का वक्त आया है।
9. बच्चों की खेल सामग्री को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने वालों से हिसाब मांगता है बामनिया।
10. प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों के लिए सपना मात्र रह गया है, योजना के आवंटन में गरीबों के साथ भेदभाव किया गया है, जिसमें बाहरी लोगो को प्राथमिकता देकर वास्तविक पात्र लोगों को वंचित रखा गया।
11. जो आज ग्राम पंचायत के विकास की बात कर रही है, जबकि हर घर नल योजना पुर्ण रूप से विफल हो गई है।
12. ग्रामवासियों की प्रमुख मूलभुत आवश्यकता है "शुद्ध पेयजल" जिसमें ग्राम पंचायत बामनिया पूर्ण रूप से विफल रही है। लाखों का फिल्टर प्लांट धूल खा रहा है एवं मटमैला बदबूदार जल-नल के माध्यम से प्रदाय किया जा रहा है। जिससे आंखों में जलन व बदन पर खुजली हो रही है। रहवासियो को नल-जल की सुविधा होते हुए मजबूरी में टेकरी का सहारा लेना पड़ रहा है।
13. ग्राम काजलिया में पिछली बार किए गए सारे वादे आप भूल गए। वहा न तो विधवा पैंशन आपने चालू करवाई, न रोड बनवाएं, न हेड पंप लगवाए।
14. काजलिया फलिया को पूर्ण रूप से अपने कार्यकाल में नजर अंदाज ही किया है। क्या इसी को विकास मानती है, आपने लोगों का विश्वास तोड़ा है।

इस बार ग्राम बामनिया की जनता से निवेदन है कि, अपने मत का सही उपयोग करे एंव "कांच का गिलास" पर मोहर लगाकर बहन जोशनी पवार को भारी मतों से विजय बनावें।

हम वादा करते हैं तो उसे निभाना भी जानते हैं!

एक बार मौका देकर देखिए- आपको खुद असली और नकली हीरे की हो जाएगी पहचान।

निवेदक :- जोशनी-राजु भाई पवार जिताओ समिति, बामनिया

गूंज की खबर के बाद हरकत में आया शिक्षक संघ

म.प्र. शिक्षक संघ ने मतदान के दौरान तैनात कर्मचारियों के मतदान की व्यवस्था की मांग की

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

स्थानीय चुनावों में एक-एक मत का कितना महत्त्वपूर्ण है, ये हर कोई जानता है और इसी को लेकर निर्वाचन आयोग प्रचार-प्रसार में लाखों रुपये खर्च कर मतदाताओं को अपने मत का उपयोग करने के लिए प्रेरित करते हैं। वर्तमान में ग्राम पंचायतों के चुनाव होना है इसलिए प्रत्याशियों के लिए हर वोट महत्त्वपूर्ण हो जाता है। गांव, तहसील और जिले को छोड़कर अन्य स्थानों में जा कर रहने वालों के लिए आने-जाने की सुविधा के साथ लाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में मतदान के दौरान ड्यूटी पर तैनात शिक्षको को पहली बार चुनाव ड्यूटी के दौरान मतदान से वंचित होना पड़ रहा है। चुनाव ड्यूटी में होने के कारण शिक्षको के मतदान से वंचित होने का मुद्दा गूंज द्वारा प्रमुखता से प्राकशित किया था। जिसके बाद न केवल जिले का शिक्षक संघ बल्कि शिक्षक संघ की प्रदेश इकाई द्वारा भी मामले को मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग भोपाल और जिला निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर मतदान ड्यूटी पर तैनात शिक्षको के मतदान की व्यवस्था की मांग की है। हालांकि अभी तक राज्य या जिला निर्वाचन की और से कोई आदेश व निर्देश जारी नही हुए है। लेकिन मतदान नही कर पाने को लेकर ड्यूटी पर जाने वाले शिक्षकों में मतदान नही कर पाने की निराशा साफ देखी जा सकती हैं।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ

जानिए चुनावी प्रक्रिया में मतदान कैसे करना है

माही की गूंज, झाबुआ।

लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ईवीएम के माध्यम से होता है और उसमें प्रत्याशी के नाम और चिन्ह के सामने वाला बटन दबाना होता है जो कि, अपेक्षाकृत आसान है। गत पंचायत चुनाव में पंच और सरपंच के लिए मतपत्र और मतपेटी का उपयोग किया गया था और जनपद तथा जिला पंचायत में ईवीएम का उपयोग किया गया था। किंतु इस वर्ष चुनाव आयोग के निर्देशानुसार चारों पद (पंच, सरपंच, जनपद पंचायत और जिला पंचायत) के लिए वोटिंग मतपत्र से ही होगी। यानी एक मतदाता को 4 वोट डालना होंगे, मतदाता भ्रमित ना हो इसलिए चुनाव आयोग ने चारों पदों के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्रों का उपयोग किया है। जिसमें पंच के लिए सफेद रंग के मतपत्र, सरपंच पद के लिए नीले, जनपद सदस्य के लिए पीले रंग तथा जिला पंचायत के सदस्य के लिए गुलाबी रंग के मतपत्र दिए जाएंगे।

प्रत्येक मतदान केंद्र पर चुनाव आयोग द्वारा पीठासीन अधिकारी के साथ ही तीन या चार मतदान अधिकारी होंगे। जिसमें पीठासीन अधिकारी का दायित्व पूरी चुनावी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना है। साथ ही समय पर पूरे दल के साथ सामग्री प्राप्त करना तथा चुनाव के पश्चात समग्री जमा करना है।

कैसे होगा मतदान

कोई भी मतदाता जब मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने पहुंचेगा। तो वह सबसे पहले मतदान अधिकारी क्रमांक 1 के पास जाएगा, जिसके पास आयोग द्वारा दी गई मतदाता सूची रहेगी, मतदान अधिकारी, मतदाता का नाम खोज कर जोर से उच्चारण करेगा। साथ ही निर्वाचन नामावली की चिन्हित प्रति में मतदाता के नाम पर निशान लगाएगा इसके अलावा मतदाता के बाएं हाथ की तर्जनी पर अमिट स्याही भी लगाएगा।

इसके पश्चात मतदाता, मतदान अधिकारी क्रमांक 2 के पास जाएगा। मतदान अधिकारी क्रमांक 2 उसे उसके वार्ड के पंच तथा सरपंच के मतपत्र उसके हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान लगा कर देगा। इसके पश्चात मतदाता मतदान के लिए बने पहले प्रकोष्ठ में जाकर अपनी पसंद के पंच और सरपंच के मतपत्र पर अपना मत अंकित करेगा, यानी मतपत्र पर पसंद के चिन्ह पर घूमते तीरो वाली मुहर लगाएगा। और मतपत्र वापस फोल्ड कर उसे मत पेटी में डालेगा।

इसके बाद मतदाता, मतदान अधिकारी क्रमांक 3 के पास जाएगा तथा मतदान अधिकारी क्रमांक 3 से जनपद और जिला पंचायत के सदस्य के मतपत्र प्राप्त करेगा। उसे लेकर दूसरे मतदान प्रकोष्ठ में जाकर अपनी पसंद के उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह पर घूमते तीरो वाली मोहर लगाकर वापस उसे फोल्ड कर उसी मत पेटी में डालेगा।

यहां पर यह जानना आवश्यक है कि, पंच, सरपंच, तथा जनपद और जिला पंचायत सदस्य के लिए मतदान प्रकोष्ठ अलग-अलग बनेंगे। लेकिन चारों मतपत्र एक ही पेटी में डालना है। मतदान का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। लेकिन 3 बजे के पूर्व लाईन में लगे लोगों का मतदान टोकन के माध्यम से करवाया जाएगा जो अंतिम मतदाता के वोट डालने तक चलेगा। अंधे और शिथिलांग मतदाता की मदद के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी साथी को पीठासीन द्वारा प्राप्त घोषणा पत्र भरकर अपने साथ मतदान केन्द्र में ले जा सकेंगे।

मतगणना:

मतदान समाप्ति के पश्चात पीठासीन अधिकारी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात मतगणना मतदान केंद्र पर ही करेंगे। इसके लिए पहले पंच पद की गणना फिर सरपंच, जनपद सदस्य और अंत में जिला पंचायत के सदस्यों के मतों की गिनती करेंगे। गिनती में पहले विभिन्न कारणों से खारिज किए गए मतपत्र अलग किए जाएंगे तथा बाद में वैध मतों की गिनती की जाएगी। लेकिन परिणाम की घोषणा नहीं की जाएगी, मतों का सारणीकरण और परिणाम की घोषणा ब्लॉक मुख्यालय से रिटर्निंग अधिकारी द्वारा की जाएगी।

हर वोट कीमती हर निकाय महत्वपूर्ण

मेघनगर नगर परिषद चुनाव में भाजपा-कांग्रेस ने अपने समर्थकों की लिस्ट की जारी

माही की गूंज, मेघनगर। भूपेंद्र जैन

नगर परिषद के चुनाव को लेकर दोनों ही पार्टियों में घमासान मचा हुआ है और नगर में कौन से वार्ड का कौन उम्मीद्वार होगा उसको लेकर भी बहुत चर्चा हो रही। वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक दोनों ही पार्टियों ने जैसे ही अपने उम्मीद्वारों की घोषणा करी, वैसे ही हर वार्ड में प्रत्याशी वोटरों को मनाने व रिझाने लग गए हैं और हर जगह पर एक चुनावी माहौल नजर आ रहा है। जिन लोगों को पार्टी से टिकट नहीं मिला है वह निर्दलीय भी लड़ने की बात कर रहे हैं, अब तब 30 उम्मीद्वारों ने अपने नाम वापस ले लिए हैं और 33 उम्मीद्वार निर्दलीय चुनाव लड़ रहे है। कई उम्मीद्वारों ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ने की बात कर दी है। अब देखते हैं दोनों ही पार्टियों में निर्दलीय उम्मीद्वार किस तरह समीकरण बिगाड़ते हैं या नईया पार लगाते है, यह तो चुनाव के बाद ही मालूम पड़ेगा। निर्दलीयों ने भाजपा और कांग्रेस की नाक में दम कर रखा है, अब दोनों ही पार्टियां किस तरह अपने उम्मीद्वारों को विजयश्री की माला पहनाती है यह तो मतदाता ही जानता है। वह किसे वोट देगा, किसे नहीं, किसने नगर के वार्डों में विकास किया है और किसने विकास नहीं किया यह जनता सब जानती है। अब जनता को अपने वार्ड का पार्षद चुनने का समय आया है, अब 15 वार्ड की जनता किसे अपने वार्ड का ताज पहनाती है चुनाव के बाद ही मालूम पड़ेगा।

भाजपा-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के उम्मीद्वार जिन्हें टिकट मिला है इस प्रकार है

वार्ड क्रमांक 1-भाजपा से ज्योति नटवर बामणिया, कांग्रेस से शायदा महेंद्र भाबोर। वार्ड 2 से भाजपा से कमलेश मचार, कांग्रेस से कलसिंह पीटर भूरिया। 3 से भाजपा से लाखन सिंह देवाणा, कांग्रेस से अरुण ओहारी। 4 से भाजपा से माननीय खराड़ी, कांग्रेस से गंगा वसुनिया। 5 से भाजपा से संतोष परमार, कांग्रेस से अमित लालवानी। 6 भाजपा से पंकज बड़ौला, कांग्रेस से अली असगर बोहरा। 7 से भाजपा से राजू शिव सिंह यादव, कांग्रेस से महबूब सुलेमान। 8 भाजपा से अजय पिता प्रकाश डामोर, कांग्रेस से राजा पचोर। 9 भाजपा से स्मिता हितेश पडियार, कांग्रेस से श्वेता राजेंद्र सोनगरा। 10 भाजपा से मेघा भूपेश भानपुरिया, कांग्रेस से निर्मला प्रजापति। 11 भाजपा से राखी राकेश जैन, कांग्रेस से मिना मनीष जैन, 12 भाजपा से शर्मिला प्रमोद जैन, कांग्रेस से समता अनूप भंडारी। 13 भाजपा से श्रुति रमेश डांगी, कांग्रेस से मंगली राकेश गामड़! 14 भाजपा से पूनमचंद वसुनिया, कांग्रेस से राधेश्याम सोलंकी। 15 भाजपा से राजू डामोर, कांग्रेस से जोगी वसुनिया। 15 वार्डों में 33 उम्मीदवार निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

जलाशय में मगरमच्छ ने दिये अण्डे

माही की गूंज, भानपुरा।

तहसील के ग्राम सादलपुर में किसान द्वारा बनाई गई खेत डबरी में मगरमच्छ ने अंडे दे दिए। उनमे से लगभग 30 बच्चे निकले और खेत में डबरी में ही तैरने लगे। किसान ने उन्हें देखकर वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद सभी बच्चों को सुरक्षित ले जाकर गांधीसागर जलाशय में छोड़ा गया। जैसे ही मगरमच्छ के बच्चों को जलाशय के पास छोड़ा गया सभी दौड़ते हुए जलाशय की तरफ चले गए।

जानकारी अनुसार जिले की भानपुरा तहसील के ग्राम सादलपुर के किसान शुभम चेतराम पाटीदार ने अपनी होशियारी एवं समझ से मगरमच्छ के लगभग 30 बच्चों को जीवनदान दिया हैं। वन विभाग को सूचित कर सभी बच्चों को गांधीसागर जलाशय में सुरक्षित छुड़वाया। इस संबंध में किसान ने कलेक्टर गौतमसिंह को भी सूचना दी। कलेक्टर ने भी कहा कि ऐसे किसान से सभी नागरिकों को प्रेरणा लेना चाहिये। वन्यजीवों की रक्षा करके बहुत बड़ा काम किया है। शुभम पाटीदार ने बताया कि दिनेश पुत्र लक्ष्मीचंद पाटीदार के खेत पर बनी हुई डबरी में मगरमच्छ के 30 बच्चे मिले थे। उनको सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना पहली प्राथमिकता थी। मैंने कलेक्टर गौतमसिंह को अवगत कराया। उन्होंने वन विभाग के माध्यम से रेस्क्यू कराकर गांधीसागर जलाशय तक छुड़वाने में मेरी मदद की। शुभम ने बताया कि अगर यह इसी स्थान पर बड़े होते तो भविष्य में ग्रामीणों एवं गांव के पालतू पशुओं के लिए खतरा हो सकते थे। समय रहते सभी जीवों को उचित जगह पहुंचा दिया गया है।

चातुर्मास आमंत्रण पत्रिका का मूहर्त किया

माही की गूंज,झाबुआ।

स्थानीय श्री ऋषभदेव बावन जिनालय मे , गच्छाधिपति जैनआचार्य श्रीमद विजय नित्यसेन सुरीश्वरजी म सा आदि ठाना 14 ऐब पूज्य साध्वीश्री वीद्वदगुणाश्री जी ऐब साध्वीश्री रश्मिप्रभा श्री जी म सा के इस वर्ष के चातुर्मास हेतु झाबुआ श्री संघ ऐब चातुर्मास समिति द्वारा आमंत्रण पत्रिका का शुभ मूहर्त किया गया 7 इस अवसर पर श्री संघ व्यस्थापक मनोहर भंडारी , चातुर्मास समिति अध्यक्ष मुकेश जैन नाकोडा , अ.भा.श्री राजेंद्र नवयुवक परिषद स्थानीय अध्यक्ष प्रमोद भंडारी , समाज सेवी यशबत भंडारी , महिला परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा कटारिया , स्थानीय महिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती मंजु जैन , तरुण परिषद अध्यक्ष श्री मीत वरमेचा , चातुर्मास समिति सचिव भारत बावेल , अनिल रुनवाल , सहित श्री संघ के समस्त पदअधिकारी , चातुर्मास समिति के पदअधिकारी , समिति संरक्षक , परामर्शदाता और विभिन समितियौ के सदस्य उपस्थित थे 7 इसके पश्चात समाज की वरिष्ठ सदस्या तपस्वीरत्ना 90 वर्षीय श्रीमती लीलाबेन शान्तिलाल भंडारी ने चातुर्मास कार्यालय का फीता काट कर शुभ आरम्भ किया 7 इस अवसर पर श्री संघ ,चातुमास समिति सदस्य , वरिष्ट समाज जन , महिला परिषद सदस्य उपस्थित थे 7 यह जानकारी चातुर्मास प्रिंट मिडिया प्रभारी डा प्रदीप संघवी ने दी।

चुनावों के मद्देनजर बॉर्डर मीटिंग का हुआ आयोजन

माही की गूंज, मंदसौर। मप्र में पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए जिले से लगने वाले राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के सीमा से जुड़ने वाले जिलो के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बॉर्डर मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग का आयोजन कलेक्ट्रेट के सुशासन भवन सभा हाल में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। बार्डर मीटिंग में कलेक्टर गौतम सिंह, एसपी अनुराग सुजानिया, एडीएम आर पी वर्मा और राजस्थान झालावाड, रतलाम व आगर मालवा के जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बार्डर मीटिंग हुई। बार्डर मीटिंग में अंर्तराज्यीय और अंर्तरजिला समन्वय स्थापित करने के लिए जिले के स्थाई, फरारी वांरटी, उद्घोषित अपराधी और फरार अपराधियों की सूची का आदान-प्रदान किया गया, साथ ही मतदान के पूर्व एवं मतदान के समय अंर्तराज्यीय बार्डर एवं अंतरजिला बार्डर को सील कर प्रभावी चैकिंग करने के संबंध में आपसी समन्वय स्थापित किया जाए ताकि अवैध शस्त्र, अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ एवं अन्य अवैध वस्तुओं के आदान-प्रदान पर रोक लगाकर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। अन्य स्थानों पर सम्पन्न बार्डर मीटिंग का संक्षिप्त विवरण जिला मंदसौर शहर एवं मंदसौर ग्रामीण अनुभाग की अंर्तराज्यीय बार्डर मीटिंग प्रताप पैलेस राजपुरिया नाका पर सम्पन्न हुई।

जमीन विवाद में भाई ने की भाई की हत्या, 24घंटे में हत्यारे को गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले के नानपुर से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां बड़े भाई ने ही छोटे भाई मौत के घाट उतार दिया। आरोपी बड़ा भाई फरार हत्या कर मौके से फरार हो गया था। एसपी मनोज कुमार सिंह ने मामले को गम्भीरता से लेकर टीम गठित की और आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है बताया जा रहा है जमीन विवाद को लेकर भाई ने भाई की हत्या कर दी।

न्यायालय परिसर झाबुआ में आज होगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैय्यदुल अबरार के मार्गदर्शन एवं सचिव/जिला न्यायाधीश लीलाधर सोलंकी जी के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के तत्वाधान एवं स्वास्थ्य विभाग झाबुआ के सहयोग से न्यायालय परिसर झाबुआ में दिनांक 23 जून-2022 दिन गुरूवार को प्रातः 10 बजे से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अपनी स्वेच्छा से जो भी रक्तदाता रक्तदान करना चाहता है वह प्रातः 10 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक न्यायालय परिसर झाबुआ में आकर रक्तदान कर सकते है।

सोलंकी ने आमजनों से आह्वान करते हुए कहा कि आपका रक्तदान निश्चित ही किसी का जीवन बचाएगा, सचमुच आपका पुण्य आपके बेवक्त काम आएगा। इसलिए सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण द्वारा अथक प्रयास कर रहें है।

त्रि स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए हुई बॉर्डर बैठक

जिला झाबुआ और जिला अलीराजपुर के कलेक्टरों ने की बैठक

माही की गूंज, झाबुआ।

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन-2022 के लिए झाबुआ और अलीराजपुर जिले के कलेक्टरों ने संयुक्त रूप से बैठक की। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन जिले में दो चरणों में संपन्न होगा। पहला चरण 25 जून को होगा। इससे पहले जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो इसके लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है।

बॉर्डर बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय जिला अलीराजपुर के सक्षाकक्ष में बॉर्डर बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा और अलीराजपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राघवेंद्र सिंह की उपस्थिति में अंतर जिला बॉर्डर बैठक में निर्वाचन से संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस बैठक में दोनों जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और निर्विध्न रूप से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराए जाने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की गई। श्री मिश्रा ने झाबुआ जिला तथा श्री सिह ने अलीराजपुर जिले में पंचायत निर्वाचन संबंधित किए गए प्रबंधों की कार्ययोजना को बताते हुए चर्चा की। दोनों जिलों की सीमावर्ती क्षेत्र में संवेदनशील मतदान केंद्रों तथा वहां के लिए किए गए प्रबंधों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में आयोग के दिशा निर्देशानुसार अधिक से अधिक मतदान के लिए किए जा रहे जागरूकता प्रयासों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान दोनों जिलों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा रम्भाबाई बेवा मोहन परमार सिर्वी एवं संदीप पिता मोहन परमार सिर्वी निवासीगण ग्राम रूपगढ तहसील पेटलावद म.प्र . के रहवासी होकर उनके स्वामित्व , मालकी व आधिपत्य वाली कृषि भूमि ग्राम रूपगढ , पहन- 04 , मे सर्वे क्रमांक 142 , 349 , 350 , 355 , 474 , कुल सर्वे नम्बर 05 , कुल रकबा 4.77 , कुल लगान 4.91 पैसे की कृषि भूमि राजस्व अभिलेख मे दर्ज है । उक्त कृषि भूमि पर मैरे पक्षकार संदीप के काका , रामा और मोडीरामजी के नाम भी दर्ज रहे थे। किंतु मैरे पक्षकारगण के पिता / पति मोहनलाल ने दिनांक 12.06.1998 को सहखातेदारो का हिस्सा रूपये 4,05,000 / - चैक द्वारा अदा कर कय कर लिया गया था । सहखातेदारो द्वारा दुर्भावना पूर्वक अपना नाम कम नहीं करवाया , तब मैरे पक्षकारगण ने न्यायालय श्रीमान अपर जिला जज महोदय , झाबुआ के न्यायालय मे दिवानी वाद क 40 - ए / 2007 प्रस्तुत किया था जिसमे मैरे पक्षकारगण के पक्ष मे तथा रामा और मोडीराम के विरूद्ध निर्णय / जयपत्र पारित किया गया है । मोडीराम की मृत्यु हो जाने से उसका पुत्र दिनेश अपने नाम का लाभ लेकर मैरे पक्षकारगण के स्वत्व/आधिपत्य वाली उक्त भूमि को बिक्री/अंतरण करने के प्रयास मे है , इस बाबद किसी अन्य व्यक्ति से सोदा करना चाहता है , जिसका कोई अधिकार दिनेश को नही आता है । मैरे पक्षकारगण के बाले बाल उनकी इस भूमि के सम्बंध में कोई भी व्यक्ति दिनेश पिता मोडीराम से कोई सोदा/अथवा व्यवहार नहीं करे , यदि करेंगे तो वह अवैध व शुन्यवत होगा ।

'एडवोकेट
आर.के. चतुर्वेदी
गाँधी चैक ,पेटलावद जिला झाबुआ
मो.न.-9425102323

मात्र चुनाव जीतना हमारा लक्ष्य नहीं, हमारा लक्ष्य है बामनिया का सर्वत्र विकास हो। साफ-सफाई, पक्की सड़कें, पक्की नालियां, स्वच्छ पेयजल, रोशन स्ट्रीट लाईट हो, ग्रामीणों को सरकारी योजना का लाभ मिले, यही संकल्प हमारा है...।

ग्राम पंचायत बामनिया के चहुमुखी विकास के लिए सेवाभावी, ईमानदार, मिलनसार, कर्मठ, सामाजिक, उच्चशिक्षित, समरसता की प्रतीक, भाजपा की अधिकृत उम्मीदवार

श्रीमती रामकन्या संजय मखोड़

को अपना अमुल्य मत, समर्थन व आशीर्वाद देकर सरपंच पद हेतु विजयी बनावें

विकास किया है विकास करेंगे

विकास किया है विकास करेंगे

मतदान अवश्य करें।

चुनाव चिन्ह

फलों सहित नारियल का पेड़

मतदान आपका अधिकार है।

मतदान दिनांक 25 जून 2022

सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक

विनीत :- समस्त ग्रामवासी बामनिया

ग्राम पंचायत खवासा के सरपंच पद हेतु योग्य, कर्मठ, मिलनसार, शिक्षित, सेवाभावी एवं ईमानदार महिला प्रत्याशी

आपने दिया हर किसी को मौका, एक बार आपका अमुल्य वोट कमांक 02 कांच का गिलास पर देकर आप भी बने ग्राम पंचायत के विकास व उन्नती में सहयोगी आपकी अपनी बहन..

गंगाबाई खराडी

गंगाबाई खराडी

चुनाव चिन्ह

कांच का गिलास

शंकर खराडी

कमांक 02 पर मोहर लगाकर भारी बहुमतों से विजय बनाईये।

"मतदान अवश्य करें, यह आपका अधिकार है"

मतदान दिनांक 25 जून 2022 शनिवार प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक

पेयजल समस्या का स्थाई समाधान करना है। फिल्टर प्लांट से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। ग्राम में नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जाएगी। स्ट्रीट लाईट का विस्तार किया जाएगा एवं नियमित रूप से रख रखाव किया जाएगा। पंचायत को भ्रष्टाचार मुक्त किया जाएगा। पंचायती कार्यों में परिवार वाद को खत्म किया जाएगा। खेत खलिहानों तक पक्के रोड बनाए जाएंगे। ग्राम के हित में सदैव तत्पर रहकर, कंधे से कंधा मिलाकर विकास की गंगा बहाएंगे।

विनित : - शंकरसिंह खराड़ी मित्र मंडल एवं खवासा के समस्त मतदाता

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422